SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL

Birla Knowledge City, Mahilong, Ranchi

CLASS-IX (2020-21)

Sub: HINDI

Assignment-4

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा। मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और मैं दोन्क्विक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था। जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे। जब मैं जोर देने लगता, तो वह और सुस्त पड़ जाता। एक जगह दो रास्ते फूट रहे थे, मैं बाएं का रास्ता ले मील-डेढ़ मील चला गया। आगे एक घर में पूछने से पता लगा कि लंङकोर का रास्ता दाहिने वाला था। फिर लौटकर उसी को पकड़ा। चार-पांच बजे के करीब मैं गांव से मील-भर पर था, तो सुमति इंतजार करते हुए मिले। मंगोलो का मुंह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में थे। उन्होंने कहा- "मैंने दो टोकरी कंडे फूंक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया।" मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया- "लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र! देख नहीं रहे हो कैसा घोड़ा मुझे मिला है! मैं तो रात तक पहुंचने की उम्मीद रखता था।" खैर, सुमति को जितनी जल्दी गुस्सा आता था, उतनी ही जल्दी वह ठंडा भी हो जाता था।

(क) घोड़े पर कौन सवार है और कहां जा रहा है?

(ख) "दोन्क्विक्वस्तो" कौन था ?

(ग) सुमति कौन हैं?

(घ) उनको जितनी जल्दी गुस्सा आता था, उतनी ही जल्दी वह ठंडा भी हो जाता था ।" इस उक्तिक्षके आधार पर सुमति के स्वभाव की विशेषता बताइए ।

(ङ) लेखक सुस्त घोड़े को मारना नहीं चाहता था । इस पंक्ति के आधार पर लेखक के स्वभाव की विशेषता बताएं ।

प्रश्न 2. अंधकूप, परमानंद, दुरात्मा, नदी-नाले, यश-अपयश, सुलोचना, बीचोंबीच, चारपाई, सप्ताह एवं वचनामृत का समास विग्रह करते हुए भेदों के नाम लिखें।